आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शनिवार 23.08.2025
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने राज्य में प्राकृतिक आपदा से क्षतिग्रस्त हुए विद्यालयों का विस्तृत आगणन शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संसद द्वारा पारित पाँच विधेयकों को मंजूरी दी। इनमें ऑनलाइन गेमिंग विनियमन विधेयक और आयकर अधिनियम शामिल हैं।
- उत्तरकाशी जिले के स्यानाचट्टी में मलबा आने से यमुना नदी पर बनी झील के जलस्तर को कम करने के प्रयास जारी।
- राज्य के विभिन्न हिस्सों में आज भारी बारिश का ऑरेंज और यलो अलर्ट।

मरम्मतीकरण कार्य

विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने प्राकृतिक आपदा से क्षतिग्रस्त हुए विद्यालयों का विस्तृत आगणन शीघ्र तैयार कर शिक्षा महानिदेशालय को भेजने के निर्देश दिए हैं। इससे आपदा मोचन निधि से धनराशि जारी कर मरम्मत और पुनर्निर्माण कार्य शुरू किये जा सकेंगे।

देहरादून में अपने शासकीय आवास पर शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक लेते हुए डॉक्टर रावत ने कहा कि विद्यालय भवनों, दीवारों, छतों, प्रांगण और बाउंड्रीवॉल की मरम्मत को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा जाए। उन्होंने आश्वासन दिया कि धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर आपदा मद से अतिरिक्त धनराशि भी स्वीकृत की जाएगी।

मंजूरी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संसद द्वारा पारित पाँच विधेयकों को मंजूरी दे दी है। इनमें ऑनलाइन गेमिंग विनियमन विधेयक आयकर अधिनियम 2025, कराधान कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025, प्रबंधन संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2025, खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन अधिनियम 2025 और भारतीय बंदरगाह अधिनियम, 2025 शामिल है।

मुलाकात

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को उत्तरकाशी जिले के धराली क्षेत्र सहित राज्य के कई हिस्सों में हाल की आपदा और अतिवृष्टि से सड़कों व पुलों को हुए नुकसान की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने इन सड़कों और पुलों की मरम्मत व पुनर्निर्माण के लिए केंद्र से सहयोग मांगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सभी आवश्यक सहायता का आश्वासन दिया।

फ्यूजन सम्मेलन

भारतीय सेना ने कुमाऊं क्षेत्र में सैन्य और नागरिक समन्वय को मजबूत बनाने के लिए पिथौरागढ़ के धारचूला में एक दिवसीय मिलिट्री–सिविल फ्यूजन सम्मेलन आयोजित किया। इसमें सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पिथौरागढ़ और चंपावत जिलों के प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र बलों और विभिन्न सरकारी एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

सम्मेलन में बुनियादी ढांचे, संचार नेटवर्क, कनेक्टिविटी और खुफिया सूचनाओं से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा हुई। ओपन हाउस डिस्कशन में प्रतिभागियों ने व्यावहारिक और दीर्घकालिक समाधान सुझाए।

भारत सरकार की वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत सीमा क्षेत्रों के विकास, सड़क, रेल व हवाई संपर्क और सूचना साझा प्रक्रिया को सुदृढ़ करने पर भी विशेष ध्यान दिया गया। अधिकारियों ने नियमित संवाद और बेहतर समन्वय को सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास और सुरक्षा के लिए अनिवार्य बताया।

सभी प्रतिभागियों ने सम्मेलन में सामने आए सुझावों को व्यावहारिक कार्यों में बदलने की प्रतिबद्धता जताई।

ऑक्सफोर्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स

हरकी पैड़ी पर 109 वर्षों से लगातार आयोजित हो रही गंगा आरती को ऑक्सफोर्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान मिला है।

हरकी पैड़ी स्थित गंगा सभा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में ऑक्सफोर्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के भारत में प्रतिनिधि सुरेश मिश्रा ने गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम और महामंत्री तन्मय वशिष्ठ को प्रमाण पत्र प्रदान किया।

उन्होंने बताया कि जून 2026 में लंदन स्थित ऑक्सफोर्ड यूनियन कार्यालय में गंगा सभा के प्रतिनिधियों को औपचारिक रूप से सम्मानित किया जाएगा।

गंगा सभा अध्यक्ष नितिन गौतम ने कहा कि यह उपलब्धि हरिद्वार और उत्तराखंड के लिए गौरव की बात है। उन्होंने उम्मीद जताई कि गंगा सभा आगे भी अपने कार्यों से और बड़े सम्मान अर्जित करेगी।

गौरतलब है कि 1916 से श्री गंगा सभा हरकी पैड़ी पर प्रतिदिन गंगा आरती का आयोजन कर रही है। कोरोना काल में भी यह परंपरा बिना रुके जारी रही।

स्यानाचट्टी झील

उत्तरकाशी जिले के स्यानाचट्टी में मलबा आने से यमुना नदी पर बनी झील के जलस्तर को कम करने के प्रयास जारी हैं। झील खोलने के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, स्वास्थ्य, राजस्व, पुलिस, खाद्य आपूर्ति और लोक निर्माण विभाग की टीमें मौके पर तैनात हैं। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य और क्षेत्रीय विधायक ने कल क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने कहा कि स्थानीय लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है और सभी सुरक्षात्मक उपाय किए जा रहे हैं। झील के जलस्तर में कमी आ रही है।

उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी (प्रशासन), आनंद स्वरूप ने बताया कि 3 फीट तक पानी कम हो गया है। उन्होंने कहा कि धीरे–धीरे और नियंत्रित तरीके से पानी छोड़ने के प्रयास जारी हैं।

गौरतलब है कि झील बनने से यमुनोत्री धाम समेत गीठ पट्टी के 12 गांवों का संपर्क कट गया है और करीब 8 हजार ग्रामीण प्रभावित हैं। स्थिति का असर स्कूलों पर भी पड़ा है। स्यानाचट्टी स्कूल के 50 बच्चों को छुट्टी दी गई है, जबकि गंगनानी स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की 150 छात्राओं को होटल में शिफ्ट किया गया है।

झील से 32 होटल, ढाबे, आवासीय भवन और तीन सरकारी विभागों की संपत्ति प्रभावित हुई है।

मौसम

उत्तराखंड के अधिकांश हिस्सों में लगातार बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, आने वाले दिनों में भी प्रदेश में वर्षा का दौर बना रहेगा। विभाग ने देहरादून, नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों के लिए आज भारी से अत्यंत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, राज्य के अन्य हिस्सों में भी मूसलाधार बारिश की चेतावनी दी गई है।

मौसम के इस रुख को देखते हुए पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिला प्रशासन ने एहतियातन सभी स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में आज एक दिन का अवकाश घोषित किया है।

उधर, चमोली जिले से के थराली में आधी रात में अतिवृष्टि हुई है। इससे एसडीएम आवास और तहसील परिसर के साथ ही कई घरों में मलबा घुस गया है। क्षेत्रवासियों के अनुसार एक युवती के मलबे में दबे होने की आशंका है।

अतिवृष्टि से तहसील मुख्यालय थराली बाज़ार केदारबगढ़, राडिबगढ़, चेपड़ों में नुकसान हुआ है। पुलिस–प्रशासन की टीम बचाव और राहत कार्यों में जुटी है। मलबे में दबने से कई वाहनों को भी नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद जिला प्रशासन ने थराली तहसील के 12वीं तक के सभी विद्यालयों और आंगनवाड़ी केंद्रों में अवकाश घोषित कर दिया है।

सेवा पखवाड़ा

उत्तराखंड में 17 सितम्बर से लेकर 2 अक्टूबर तक प्रदेश के सभी विद्यालयों में 'सेवा पखवाड़ा' मनाया जाएगा। इस दौरान विशेष स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण गतिविधियां, नशामुक्ति जागरूकता रैलियां, डिजिटल शिक्षा के प्रचार–प्रसार और विद्यार्थियों के स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे।

विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉक्टर धन सिंह रावत ने मुख्य शिक्षा अधिकारियों को सेवा पखवाड़े के कार्यक्रमों की प्रभावी निगरानी और फॉलोअप सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग केवल पठन–पाठन तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक जागरूकता और नैतिक मूल्यों के संवर्धन में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह

भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, देहरादून ने 16 से 22 अगस्त तक 20वां पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह मनाया। मुख्य कार्यक्रम 22 अगस्त को राजकीय प्राथमिक विद्यालय, कौलागढ़ में आयोजित हुआ, जिसमें 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर विशेषज्ञों ने पार्थेनियम खरपतवार की पहचान, इसके स्वास्थ्य व पर्यावरणीय दुष्प्रभाव, और इसके भौतिक, जैविक तथा रासायनिक प्रबंधन उपायों पर जानकारी दी। स्कूल परिसर में खरपतवार उन्मूलन और स्थानीय रैली का आयोजन भी किया गया। बच्चों, शिक्षकों और स्थानीय लोगों ने इसमें सक्रिय सहभागिता दिखाई।